12

असाज़्प्रदायिक मसीहियतः

किस का (में) बपतिस्मा लिया?

अंग्रेजी बोलने वाले लोग ''into'' शज़्द से इतने सुपरिचित हैं कि इसे स्पष्ट करने के लिए इसके अर्थ पर विचार करने की आवश्यकता ही नहीं पड़ती। तो भी उकताने वाला होने के बावजूद मैं इसके ठहराए हुए अर्थ पर विशेष ध्यान दिलाना चाहता हूं। ज़्या पता इससे सच्चाई के स्पष्ट दृष्टिकोण को समझने में सहायता मिल जाए; यदि ऐसा हो जाए, तो हम इसकी खातिर दूसरे अर्थों को भी ले सकते हैं।

आइए इस शज़्द के इस्तेमाल पर ध्यान देते हैं। यदि कोई व्यज़्ति आकर किसी मां को बताए कि उसका बच्चा कुएं ''में'' (जो बाइबल के अंग्रेज़ी संस्करण NASB के ''into'' का अनुवाद है) गिर गया है, तो मां समझ जाएगी कि उसका बच्चा कहां है; वह तुरन्त भागती हुई जाएगी और कुएं पर पहुंचकर ही दम लेगी। वह बच्चे को कुएं से ''बाहर'' निकालने की हर सज़्भव कोशिश करेगी। इसी प्रकार, यदि कोई किसी के घर ''में'' (into) चोर के घुस जाने की बात कहे, तो पुलिस अधिकारी उसे घर के बाहर नहीं ढूंढ़ेंगे। यदि कोई पुत्र अपने पिता से कहे कि उनके खेत ''में'' (into) खच्चर घुस आए हैं, तो बिना कुछ और पूछे पिता समझ जाएगा कि पशु खेत या चरागाह से ''बाहर'' निकलकर जहां उन्हें छोड़ा गया था, उनके खेत ''में'' (into) चले गए हैं।

अंग्रेज़ी भाषा के शज़्द ''into'' का अर्थ इतना स्पष्ट है कि हम में से हर कोई इसका अर्थ हमेशा एक ही तरह समझता है। इसके हर इस्तेमाल में हम किसी के ''में से'' (out of) किसी ''में'' (into) जाने का अनुमान लगाते हैं। जब खच्चरों ने खेत ''में'' (into) छलांग लगाई तो उन्हें उस ''में से'' (out of) जिसमें वे पहले थे, भगाया गया था। यह बहुत आवश्यक है, और सबको यह इतना स्पष्ट ''समझ आता'' है कि उसे इसके उपयोग को मानना ही पड़ता है। ऐसे वाज़्यों में ''into'' के अर्थ पर हर पाठक पूरी तरह से एकमत होगा। इसके अर्थ को न समझने का सवाल ही पैदा नहीं होता। मैं किसी को ''into'' शज़्द वाले अंग्रेज़ी के किसी सरल वाज़्य की व्याज़्या करके कोई ऐसा वाज़्य बनाते देखना चाहूंगा जिससे दो भले मानस ''into'' के अर्थ को गलत समझ सकें।

ज़्या कोई खच्चर उस जगह ''में'' (into) छलांग लगा सकता है जिसमें वह पहले ही हो? ज़्या कोई बच्चा उस कुएं ''में'' (into) गिर सकता है जिसमें वह पहले से ही हो? ज़्या कोई चीज़ बिना पहली जगह से निकले किसी प्रकार दूसरी जगह ''में'' (into) जा सकती, ''में'' (into)

छलांग लगा सकती, ''में'' (into) गिर सकती है? ज़्या कोई पहले से विवाहित युवती विवाहित कहलाने के लिए फिर से विवाह कर सकती है? विवाह से पहले, वह विवाह के सज़्बन्ध से बाहर है; परन्तु विवाह के बाद वह उस सज़्बन्ध ''में'' (into) आ जाती है और उसके बाद उस सज़्बन्ध ''में'' (in) ही रहती है। [अंग्रेज़ी में यहां ''into'' और ''in'' में अन्तर केवल इतना है कि ''into'' ''में'' आने की क्रिया है, जबकि ''in'' होने का अर्थ बताने के लिए है]

अब ''into'' के इस स्पष्ट अर्थ को देखते हुए, मैं निष्पक्ष मन वाले लोगों से पवित्र आत्मा द्वारा दी गई कुछ आयतों की परख करने के लिए कहता हूं:

> इसलिए तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो (baptizing them into the name of the Father and of the Son and of the Holy Spirit) (मत्ती 28:19)।
>
> यह सुनकर उन्होंने प्रभु यीशु के नाम का बपतिस्मा लिया (baptized into the name of the Lord Jesus) (प्रेरितों 19:5)।
>
> ज़्या तुम नहीं जानते, कि हम जितनों ने मसीह यीशु का बपतिस्मा (baptized into Christ Jesus) लिया, तो उस की मृत्यु का बपतिस्मा लिया (baptized into his death)? (रोमियों 6:3क)।
>
> ज़्योंकि हम सब ने ज़्या यहूदी, ज़्या यूनानी, ज़्या दास, ज़्या स्वतंत्र, एक ही आत्मा के द्वारा एक देह होने के लिए बपतिस्मा लिया (baptized into one body) (1 कुरिन्थियों 12:13)।
>
> और तुम में से जितनों ने मसीह में बपतिस्मा लिया है (baptized into Christ) उन्होंने मसीह को पहिन लिया है (गलातियों 3:27)।

इस प्रकार नये नियम के समय में, परमेश्वर के पवित्र लोग ऊपर से मिली सामर्थ के द्वारा पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम ''में'' (into; यू.: *eis*) बपतिस्मा देते थे। वे प्रभु यीशु के नाम ''में'' (into; यू.: *eis*) बपतिस्मा देते थे। वे मसीह यीशु ''का'' (into; यू.: *eis*) बपतिस्मा देते थे। वे मसीह की मृत्यु ''का'' (into; यू.: *eis*) बपतिस्मा देते थे। वे एक देह ''होने के लिए'' (into; यू.: *eis*) बपतिस्मा देते थे। वे मसीह ''में'' (into; यू.: *eis*) बपतिस्मा देते थे; इस प्रकार बपतिस्मा लेने वाले उसे पहन लेते थे। ध्यान दें कि गलातियों 3:27 में इस्तेमाल ''में'' शज़्द मूल यूनानी में वही है जिसका अनुवाद ऊपर की आयतों में क्रमश: ''से,'' ''का,'' ''का,'' और ''होने के लिए'' हुआ है। अंत में, प्रेरित उन्हें पापों की क्षमा ''के लिए'' या ''में'' (into; यू.: *eis*) बपतिस्मा देते थे।

यदि हम इन आयतों में ''into'' शज़्द की इसके स्पष्ट अर्थ में व्याज़्या करते हैं, तो कोई गलतफहमी नहीं रह सकती। नये नियम के समय में, बपतिस्मे से पहले लोग पिता और पुत्र और पवित्र

आत्मा के नाम ''से बाहर'', मसीह की मृत्यु ''से बाहर'', एक देह ''से बाहर'' और पापों की क्षमा ''रहित'' थे। बपतिस्मा लेकर उन्हें ये पवित्र और ईश्वरीय सम्बन्ध तथा आशिषें मिल गई थीं।

इस प्रकार पवित्र नामों में, मसीह की मृत्यु में, मसीह की पवित्र देह में, मसीह में और पापों की क्षमा के लिए आकर वे पवित्र शास्त्र के अनुसार बपतिस्मे पर निर्भर होते हैं। ऐसा होना आवश्यक है वरना विचार के संचार के लिए यह भाषा उपयुक्त माध्यम नहीं होगी, और हम बोलने की सामर्थ के द्वारा हम तक पहुंचे किसी संदेश पर निर्भर नहीं रहेंगे।

इसमें आश्चर्य नहीं कि हनन्याह ने तरसुस के रोते बिलखते शाऊल से कहा था, ''... उठ, बपतिस्मा ले, और उसका नाम लेकर पापों को धो डाल'' (प्रेरितों 22:16)। इसमें भी आश्चर्य नहीं कि जब पतरस ने कहा था, ''... जिसमें बैठकर थोड़े लोग अर्थात आठ प्राणी पानी के द्वारा बच गए। और उसी पानी का दृष्टांत भी, अर्थात बपतिस्मा, यीशु मसीह के जी उठने के द्वारा, अब तुम्हें बचाता है ...'' (1 पतरस 3:20, 21क)।

सचमुच वे पवित्र लोग इसकी विपरीत शिक्षा कैसे दे सकते थे? अंतिम आज्ञाएं देते हुए यीशु ने उनसे कहा था, ''... तुम सारे जगत में जाकर सारी सृष्टि के लोगों को सुसमाचार प्रचार करो। जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले उसी का उद्धार होगा, परन्तु जो विश्वास न करेगा वह दोषी ठहराया जाएगा'' (मरकुस 16:15, 16)। सचमुच, यदि यीशु तथा परमेश्वर की प्रेरणा पाए प्रेरितों ने यह शिक्षा नहीं दी कि सही शिक्षा देकर सिखाया हुआ व्यक्ति ही उद्धार पाता है और वह उद्धार बाइबल के अनुसार बपतिस्मा लेने पर ही होता है, तो मनुष्य ऐसी शिक्षा नहीं दे सकता है।

निष्कपट मन वाले लोगों से मैं एक बार फिर बिनती करता हूं कि जब इस विषय में पवित्र आत्मा ने इतने स्पष्ट और सरल ढंग से बता दिया है तो हम बपतिस्मे से उद्धार या पापों की क्षमा के सम्बन्ध को बांटकर मार्ग में ''कांटा'' क्यों रखते हैं? हमारा धन्य प्रभु हमसे एक ही बात कहकर आपस में किसी प्रकार की फूट न रखने की बल्कि एक मन और एक चित्त में पूरी तरह से एक होने की बिनती करता है। सच्चे और विश्वासी मन वाले लोगों में यीशु के प्रति विश्वासी रहकर पवित्र आत्मा की स्पष्ट शिक्षा पर मतभेद रखने की बात मेरी समझ से बाहर है। एकमत न होने के बावजूद विश्वासी होने के उनके दावे की बात मेरी समझ में नहीं आती। जब हमारे प्रभु की स्पष्ट शिक्षा के होते फूट को बढ़ावा दिया जाता है और बरकरार रखा जाता है तो, निश्चय ही द्वार पर बुराई और पाप दस्तक दे रहे होते हैं।

मैं फिर उन सब लोगों से जो ''गुटों,'' ''शिक्षाओं'' ''साम्प्रदायिक कलीसियाओं'' या ''डिनोमिनेशनों'' को छोड़कर पतरस, याकूब और यूहन्ना की तरह केवल मसीही बनकर संतुष्ट और खुश होना चाहते हैं, बिनती करता हूं। आइए हम केवल वैसे ही मसीही बनें जैसे यरूशलेम की कलीसिया के सदस्य थे अर्थात नये नियम के समय के सब मसीहियों जैसे। परमेश्वर करे कि क्रूस पर अपनी मृत्यु से पहले हमारे प्रभु की प्रार्थना फिर से एक वास्तविकता बन जाए। हम में से कितने लोग पवित्र आत्मा की बात मानकर प्रभु यीशु के लिए एक होने के लिए कुछ भी छोड़ने को तैयार हैं? एकता के इस प्रदर्शन से हमारा प्रभु प्रसन्न होगा और इससे खोया हुआ संसार विश्वास कर सकता है कि परमेश्वर ने उसे भेजा था। ज्या मसीह में एक होने के लिए निष्कपट मन वाले लोगों को समझाने के लिए कोई बात नहीं है।